

Padma Shri



SHRI DULAL MANKI

Shri Dulal Manki is a professional singer and musician of Tea Tribes of Assam. He is known as Jhumair Samrat of Assam. Jhumair is an Indian folk dance from Bihar, Jharkhand, Odisha, West Bengal. It is also quite famous tea garden community of Assam. At present Jhumair song and dance are very popularly performed in entire state of Assam during "Karamparab" of Sukla Akadasi.

2. Born on 12th August, 1964, Shri Manki studied at Doomdooma College in 1984. After completion of Bachelor of Music from Bhatkhande Sangeet Vidyapith, Lucknow from Guru Munindra Dev and Pandit Haribhusan Mazumdar, he started teaching Vocal and Music at Tinsukia Bishnujyoti Sangeet Mahavidyalaya, Panchasur, an institution of Folk Music, all over Assam Workshop of Folk Music.

3. Shri Manki started his professional carrier in singing from All India Radio, Dibrugarh in 1976 at the age of 12 years in the program for the Tea Garden People known as "Chah Bonuwar Asar". Since then, he never looked back and continuously worked hard day by day out to propagate and protect the social cultural heritage for the People of Assam. He also sang some Assamese song in All India Radio, Dibrugarh since 1992. He worked for various Albums and Films in different languages like Tea Tribes, Assamese, Hindi, Bengali etc. He has attended various cultural programme in the State and National events. He also performed at Coke Studio (MTV) Mumbai With Angarag Mahanta (Papon) which gained more than 15,00,000 viewers on YouTube. He has also performed at Bindas play Bollywood Republic in 2015. He has done live concerts in Kolkata, Delhi, Andaman & Nicobar Islands, Himachal Pradesh, Jharkhand, Mumbai etc. He has also done playback singing with Legends in some films like Priyanjon; Bondhan; Chah Gosor Kumoliya Paat; Srimanta Sankardev and Satnambar Dushman.

4. Shri Manki is the recipient of numerous Awards and Honours including the best Music Director Award by Kothia Mine and Drama Academy, Duliajan (Assam) in 2007; best Play-back Singer for the Movie "Srimanta Sankardev" by "Prag Cine" in 2010; Dr. Upen Kakoti Silpi Award in 2014; SIRISH Award in 2018 and "Gowekkhok Sahityik Deoram Tassa Samarok Bota" by Assam Sahitya Sabha in 2019. He also completed Guru Shishya Parampara in 2014 by EZCC, Kolkata, a group which is recognized by the Ministry of Culture, Government of India. After that he was awarded the title of "Guru of Jhumair" in 2014. At present, he is the Chief Trustee of "Gandhar" (Cultural Trust), an Institute for the development and promotion of Tea Tribes Community's culture and for their future generation.



श्री दूलाल मान्की

श्री दूलाल मान्की असम की चाय जनजातियों के पेशेवर गायक और संगीतकार हैं। उन्हें असम के झुमैर सम्राट के रूप में जाना जाता है। झुमैर बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल का एक भारतीय लोक नृत्य है। यह असम का काफी प्रसिद्ध चाय बागान समुदाय भी है। वर्तमान में शुक्ल एकादसी के "करमपरब" के दौरान पूरे असम राज्य में झुमैर गीत और नृत्य बहुत लोकप्रिय हैं।

2. 12 अगस्त, 1964 को जन्मे श्री मान्की ने 1984 में डूमडूमा कॉलेज में पढ़ाई की। भातखंडे संगीत विद्यापीठ, लखनऊ से गुरु मुनींद्र देव और पंडित हरिभूषण मजूमदार से संगीत स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद, उन्होंने तिनसुकिया बिष्णुज्योति संगीत महाविद्यालय, पंचासुर, लोक संगीत की एक संस्था, पूरे असम में लोक संगीत की कार्यशाला, में गायन और संगीत पढ़ाना शुरू किया।

3. श्री मान्की ने अपने पेशेवर कैरियर की शुरुआत 1976 में ऑल इंडिया रेडियो, डिब्रूगढ़ से 12 साल की उम्र में चाय बागान के लोगों के लिए "चाह बोनुवर असर" के रूप में कार्यक्रम में की थी। तब से, उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और असम के लोगों के लिए सामाजिक सांस्कृतिक विरासत के प्रचार और संरक्षण के लिए दिन-ब-दिन कड़ी मेहनत की। उन्होंने 1992 से ऑल इंडिया रेडियो, डिब्रूगढ़ में कुछ असमिया गीत भी गाए। उन्होंने विभिन्न एल्बमों और फिल्मों के लिए विभिन्न भाषाओं जैसे टी ट्राइब्स, असमिया, हिंदी, बंगाली आदि में काम किया। उन्होंने राज्य और राष्ट्रीय कार्यक्रमों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने कोक स्टूडियो (एमटीवी) मुंबई में अंगराग महंत (पापोन) के साथ भी प्रदर्शन किया, जिसे यू ट्यूब पर 15,00,000 से अधिक दर्शक मिले। उन्होंने 2015 में बिंदास प्ले बॉलीवुड रिपब्लिक में भी प्रदर्शन किया है। उन्होंने कोलकाता, दिल्ली, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मुंबई आदि में लाइव संगीत कार्यक्रम किए हैं। उन्होंने किंवदंतियों के साथ कुछ फिल्मों जैसे प्रियंजन; बंधन; चाह गूसर कुमोलिया पाट; श्रीमंत शंकरदेव और सतनामबर दुश्मन में पार्श्व गायन भी किया है।

4. श्री मान्की 2007 में कोठिया खान और नाटक अकादमी, दुलियाजान (असम) द्वारा सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक पुरस्कार; 2010 में "प्राग सिने" द्वारा फिल्म "श्रीमंत शंकरदेव" के लिए सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक; 2014 में डॉ. उपेन काकोटि-सिल्पी पुरस्कार; 2018 में सिरीश पुरस्कार और 2019 में असम साहित्य सभा द्वारा "गोवेखो क साहित्यिक देवरम तस्सा समरोक बोटा" सहित कई पुरस्कारों और सम्मानों के प्राप्तकर्ता हैं। उन्होंने ईजेडसीसी, कोलकाता, एक समूह जिसे संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है, द्वारा 2014 में गुरु शिष्य परम्परा भी पूरी की। उसके बाद उन्हें 2014 में "झुमैर के गुरु" की उपाधि से सम्मानित किया गया। वर्तमान में, वे "गांधार" (सांस्कृतिक ट्रस्ट) के मुख्य ट्रस्टी हैं, जो चाय जनजाति समुदाय की संस्कृति के विकास और प्रचार के लिए और उनकी भावी पीढ़ी के लिए एक संस्थान है।